रविवार
7, जून , 2026

अपना नालन्दा

अपना शहर, अपना खबर

वर्ष 2, अंक 118 | नालंदा का नंबर - 1 डिजिटल अखबार

www.apnanalanda.com

मलमास मेला हमारी सनातन संस्कृति और आस्था की अमूल्य धरोहर : डॉ. प्रेम कुमार

संजय कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। बिहार विधानसभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने शनिवार को अपने परिवार के साथ राजगीर के ऐतिहासिक एवं विश्वविख्यात मलमास मेले में भाग लेकर पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि राजगीर का मलमास मेला आध्यात्मिक चेतना, धार्मिक आस्था, सांस्कृतिक विरासत और सनातन परंपराओं का अद्भुत संगम है। यह मेला न केवल बिहार बल्कि देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं को भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिक मूल्यों से जोड़ने का महत्वपूर्ण माध्यम है।

डॉ. प्रेम कुमार ने बताया कि वे शुक्रवार की देर रात अपने परिवार के साथ राजगीर पहुंचे। ब्रह्ममुहूर्त में उन्होंने पवित्र कुंडों में स्नान कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की तथा राज्य और देश की सुख-शांति, समृद्धि, खुशहाली एवं जनकल्याण के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। उन्होंने कहा कि राजगीर की पावन भूमि धार्मिक और ऐतिहासिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। यहां स्थित विभिन्न तीर्थस्थल और पवित्र कुंड श्रद्धालुओं की आस्था के प्रमुख केंद्र हैं।

उन्होंने जरासंध की पावन धरती को नमन करते हुए कहा कि मलमास मेले की परंपरा मगध के चक्रवर्ती सम्राट महाराज जरासंध से जुड़ी मानी जाती है। धार्मिक और ऐतिहासिक मान्यताओं के अनुसार महाराज जरासंध भक्ति और शक्ति के अद्भुत प्रतीक थे। स्नान, दान, पूजा और मल्लयुद्ध उनकी दिनचर्या का अभिन्न हिस्सा था। उनका पराक्रम और मल्लयुद्ध की परंपरा आज भी लोगों के बीच चर्चा और प्रेरणा का विषय है।

बिहार विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि धार्मिक मान्यताओं के अनुसार मलमास के दौरान समस्त देवी-देवताओं का निवास राजगीर में माना जाता है। यही कारण है कि इस अवधि में यहां स्नान, दान, जप, तप और पूजा-अर्चना का विशेष महत्व होता है। लाखों श्रद्धालु अपनी मनोकामनाओं की पूर्ति और आध्यात्मिक शांति की प्राप्ति के लिए राजगीर पहुंचते हैं।यह श्रद्धालुओं की अटूट आस्था का ही परिणाम है कि सदियों पुरानी यह परंपरा आज भी पूरे वैभव के साथ जीवित है।

डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि राजगीर केवल धार्मिक महत्व का केंद्र नहीं है, बल्कि यह ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और पर्यटन की दृष्टि से भी विश्वस्तरीय पहचान रखता है। यहां आने वाले श्रद्धालु और पर्यटक भारतीय सभ्यता और संस्कृति की समृद्ध विरासत का अनुभव करते हैं।

उन्होंने राज्य सरकार और जिला प्रशासन द्वारा मेले में की गई व्यवस्थाओं की सराहना करते हुए कहा कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा, स्वच्छता, यातायात, पेयजल, चिकित्सा और अन्य आवश्यक सुविधाओं के लिए व्यापक प्रबंध किए गए हैं। प्रशासन का प्रयास है कि सभी श्रद्धालुओं को सुरक्षित और सुगम वातावरण उपलब्ध हो।

अंत में उन्होंने श्रद्धालुओं से स्वच्छता बनाए रखने, पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने, तंबाकू निषेध का पालन करने तथा धार्मिक अनुष्ठानों को अनुशासन और श्रद्धा के साथ संपन्न करने की अपील की। उन्होंने कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजन समाज में सद्भाव, भाईचारा और सामाजिक एकता को मजबूत करते हैं तथा नई पीढ़ी को अपनी गौरवशाली सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने का कार्य करते हैं। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं के सुख, शांति, उत्तम स्वास्थ्य और समृद्धि की कामना करते हुए बिहार के निरंतर विकास और सामाजिक सौहार्द की प्रार्थना की।

नगरनौसा प्रमुख की कुर्सी गई,अविश्वास प्रस्ताव भारी बहुमत से पारित

नगरनौसा (अपना नालंदा)। नगरनौसा प्रखंड प्रमुख रंजु कुमारी के खिलाफ लाया गया अविश्वास प्रस्ताव शनिवार को भारी बहुमत से पारित हो गया। इसके साथ ही उनकी प्रमुख पद की कुर्सी चली गई और यह पद रिक्त हो गया। अविश्वास प्रस्ताव पारित होने के बाद प्रखंड की राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं और नए प्रमुख के चयन को लेकर चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है।

इस संबंध में आयोजित विशेष बैठक की अध्यक्षता उपप्रमुख सुमंती देवी ने की। बैठक में अविश्वास प्रस्ताव पर विस्तार से चर्चा की गई, जिसके बाद मतदान कराया गया। मतदान में उपस्थित सभी दस पंचायत समिति सदस्यों ने एकमत होकर अविश्वास प्रस्ताव के पक्ष में मतदान किया। परिणामस्वरूप प्रमुख रंजु कुमारी के खिलाफ लाया गया प्रस्ताव पारित घोषित कर दिया गया।

अविश्वास प्रस्ताव पारित होने के बाद पंचायत समिति सदस्य शुशीला कुमारी ने खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि प्रमुख क्षेत्र के विकास संबंधी मुद्दों पर सदस्यों के साथ नियमित रूप से चर्चा नहीं करती थीं। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रमुख कार्यालय में भी पर्याप्त समय नहीं देती थीं और अधिकांश मामलों में पंचायत समिति सदस्यों की उपेक्षा की जाती थी।

बैठक में पंचायत समिति सदस्य सत्येंद्र पासवान, आशा देवी, ललिता कुमारी, अंतरा देवी, शिरोमणि कुमार, संजय कुमार वर्मा, धर्मा कुमारी, मृदुला कुमारी, सुमंती देवी तथा शुशीला कुमारी उपस्थित थीं। अविश्वास प्रस्ताव पारित होने के बाद अब प्रखंड प्रमुख के नए चुनाव की प्रक्रिया को लेकर प्रशासनिक तैयारी शुरू होने की संभावना है।

मलमास मेले में संतों ने बांटा महाप्रसाद, वस्त्र और दक्षिणा

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। पुरुषोत्तम मास (मलमास मेला) के पावन अवसर पर गोपाल धाम के महंत स्वामी सनातन चिन्मयानंद सरस्वती के नेतृत्व में शनिवार को गरीब, असहाय एवं जरूरतमंद लोगों के बीच सेवा एवं दान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान कुंड क्षेत्र, वीरायतन रोड, वैतरणी धाम, थाना रोड, बस स्टैंड रोड तथा बाजार रोड सहित विभिन्न स्थानों पर पोंगल महाप्रसाद (खिचड़ी), अंगवस्त्र एवं दक्षिणा का वितरण किया गया।

महंत स्वामी सनातन चिन्मयानंद सरस्वती ने कहा कि पुरुषोत्तम मास सेवा, दान, भक्ति और मानव कल्याण का विशेष पर्व है। इसी भावना के साथ प्रत्येक मलमास मेले की तरह इस वर्ष भी श्रद्धालुओं और जरूरतमंदों के बीच पोंगल महाप्रसाद खिचड़ी, खाजा, अंगवस्त्र तथा दक्षिणा का वितरण किया गया। उन्होंने कहा कि मानव सेवा ही सच्ची ईश्वर सेवा है और समाज के कमजोर वर्गों की सहायता करना प्रत्येक व्यक्ति का नैतिक दायित्व है।

कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में गरीब, असहाय एवं महिला श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। लोगों ने महंत के इस सेवा कार्य की सराहना करते हुए इसे मानवता और धर्म का उत्कृष्ट उदाहरण बताया। इससे पूर्व नई पोखर स्थित राम-जानकी ठाकुरबाड़ी में संतों, महंतों एवं महामंडलेश्वरों के सान्निध्य में विशाल पोंगल प्रसाद खिचड़ी भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण कर आध्यात्मिक लाभ प्राप्त किया।इस अवसर पर गोपाल धाम के महंत स्वामी सनातन चिन्मयानंद सरस्वती, नई पोखर ठाकुरबाड़ी के महंत लक्ष्मण शरण महाराज, नरेंद्र कुमार शर्मा, निशांत कुमार, शंकर सिंह, मुकेश सिंह, पवन सिंह तथा विनोद कुमार सहित कई सामाजिक एवं धार्मिक कार्यकर्ताओं ने सक्रिय सहयोग किया। आयोजन ने सेवा, श्रद्धा, मानवता और सामाजिक समरसता का प्रेरणादायी संदेश दिया।

भव्य झांकी संग श्रीमद्भागवत कथा से गूंजा नूरसराय का दहपर

विजय प्रकाश उर्फ पिन्नू

नूरसराय (अपना नालंदा)। नूरसराय प्रखंड के दहपर गांव में आयोजित सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा महोत्सव के छठे दिन श्रद्धा, भक्ति और उत्साह का अद्भुत संगम देखने को मिला। कथा स्थल से नारी शिव मंदिर तक भव्य झांकी निकाली गई, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने भाग लेकर धार्मिक आस्था का परिचय दिया। भगवान की आकर्षक झांकियों, भक्ति गीतों और जयघोष से पूरा क्षेत्र भक्तिमय वातावरण में सराबोर हो गया।भव्य झांकी में कथावाचक परम पूज्य श्री श्याम शुभम जी महाराज स्वयं शामिल हुए। श्रद्धालु भक्ति धुनों पर झूमते और नृत्य करते हुए भगवान के जयकारे लगाते नजर आए। इस दौरान पूरे मार्ग में श्रद्धा और भक्ति का अनुपम दृश्य देखने को मिला।

कथावाचक श्री श्याम शुभम जी महाराज ने आयोजन समिति के प्रति आभार व्यक्त करते पस्थित रहे।हुए कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजनों से समाज में भक्ति, सद्भाव, संस्कार और सामाजिक एकता का प्रसार होता है। उन्होंने आयोजनकर्ता अरविंद कुमार सिन्हा की सराहना करते हुए कहा कि उनके प्रयासों से पूरे नूरसराय क्षेत्र में धार्मिक चेतना का संदेश पहुंच रहा है।आयोजनकर्ता अरविंद कुमार सिन्हा ने झांकी में शामिल सभी श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि क्षेत्रवासियों के सहयोग और श्रद्धा से ही महोत्सव को भव्य स्वरूप मिला है। उन्होंने कहा कि श्री श्याम शुभम जी महाराज के मुखारविंद से निकल रही श्रीमद्भागवत कथा का बड़ी संख्या में श्रद्धालु श्रवण कर आध्यात्मिक लाभ प्राप्त कर रहे हैं।

मौके पर प्रवीण कुमार सिन्हा, नम्रता सिन्हा, अमाया सिन्हा, सुलेखा सिन्हा, अमन कुमार, सिंटू कुमार, फंटूश कुमार, शेखर मुखिया, नीतीश कुमार, डॉ. रमाकांत कुमार, निवास लाल, मुन्ना कुमार, चिक्कू कुमार, तन्नू सिंह, पप्पू मुखिया, लड्डू प्रसाद, पिंटू कुमार, बबलू मुखिया एवं महेंद्र सिंह सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

मिट्टी की सेहत बचाने को नालंदा में शुरू हुआ खेत बचाओ अभियान

विजय प्रकाश उर्फ पिन्नू

नूरसराय (अपना नालंदा)। कृषि भूमि की उर्वरता बनाए रखने तथा किसानों को टिकाऊ एवं वैज्ञानिक खेती के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से नालंदा उद्यान महाविद्यालय, नूरसराय में "खेत बचाओ अभियान" कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में किसानों, कृषि इनपुट डीलरों तथा कृषि विशेषज्ञों ने भाग लिया।

कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. रणधीर कुमार ने किसानों को मृदा स्वास्थ्य संरक्षण के महत्व पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि स्वस्थ मिट्टी ही बेहतर उत्पादन और समृद्ध कृषि की आधारशिला है। किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड के उपयोग, संतुलित उर्वरक प्रबंधन, जल संरक्षण तथा प्राकृतिक खेती की तकनीकों के बारे में जागरूक किया गया।

वक्ताओं ने बताया कि रासायनिक उर्वरकों के अत्यधिक एवं असंतुलित उपयोग से मिट्टी कीगुणवत्ता लगातार प्रभावित हो रही है। इससे भूमि की उत्पादकता घटने के साथ-साथ पर्यावरण पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। ऐसे में वैज्ञानिक खेती, जैविक खाद का प्रयोग और मृदा परीक्षण को बढ़ावा देना समय की आवश्यकता है।

कार्यक्रम में देशभर में चल रहे "खेत बचाओ अभियान" के उद्देश्यों पर भी चर्चा की गई। विशेषज्ञों ने कहा कि इस अभियान का मुख्य लक्ष्य मिट्टी की सेहत को सुरक्षित रखना, संतुलित उर्वरक उपयोग को बढ़ावा देना तथा सतत कृषि पद्धतियों को अपनाने के लिए किसानों को प्रेरित करना है।

इस अवसर पर किसानों को नियमित मृदा परीक्षण कराने, जैविक खाद के उपयोग को बढ़ाने तथा जल संरक्षण के उपाय अपनाने की सलाह दी गई। बताया गया कि यह अभियान अगले एक माह तक जिले के विभिन्न गांवों में चलाया जाएगा, जहां किसानों को उर्वरकों के सही एवं संतुलित उपयोग के प्रति जागरूक किया जाएगा।

खेत बचाओ अभियान से किसानों को टिकाऊ खेती का मिला संदेश

नगरनौसा (अपना नालंदा)। कृषि भूमि, मृदा स्वास्थ्य एवं प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शनिवार को प्रखंड कृषि कार्यालय में "खेत बचाओ अभियान" के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर प्रखंड स्तरीय प्रशिक्षण एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रखंड कृषि पदाधिकारी जन्मेजय सिंह ने की।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर सहायक निदेशक भूमि संरक्षण भुदेव राणा सहित कृषि विभाग के कई पदाधिकारी एवं विशेषज्ञ उपस्थित रहे। कार्यक्रम में प्रखंड किसान सलाहकार समिति के उपाध्यक्ष जितेन्द्र प्रसाद, सदस्य मिथलेश कुमार, प्रखंड तकनीकी प्रबंधक अमित कुमार, कार्यपालक सहायक संदीप पाण्डेय, कृषि समन्वयक श्रवण कुमार, मनोज कुमार, विश्वकांत कुमार वर्मा, शोभा कुमारी, किसान सलाहकार कमलेश कुमार, चन्द्रमणी कुमार, शिखा शुमन, प्रियंका कुमारी तथा बड़ी संख्या में प्रगतिशील किसानों ने भाग लिया।

प्रखंड कृषि पदाधिकारी जन्मेजय सिंह ने कहा कि खेत बचाओ अभियान केवल एक सरकारी योजना नहीं, बल्कि कृषि और किसानों के भविष्य को सुरक्षित रखने का जनआंदोलन है। उन्होंने किसानों से मृदा संरक्षण, संतुलित उर्वरक उपयोग, जल संरक्षण तथा पर्यावरण अनुकूल खेती अपनाने की अपील की।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान विशेषज्ञों ने मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन, फसल विविधीकरण, जैविक एवं प्राकृतिक खेती, कीट एवं रोग नियंत्रण तथा जलवायु-अनुकूल कृषि तकनीकों की विस्तृत जानकारी दी। किसानों को मृदा जांच, फसल चक्र, हरी खाद, जैविक खाद निर्माण और वर्षा जल संरक्षण के महत्व से भी अवगत कराया गया।

बैठक में कृषि कर्मियों को गांव-गांव जागरूकता अभियान चलाने तथा किसान चौपालों के माध्यम से अधिकाधिक किसानों तक अभियान की जानकारी पहुंचाने का निर्देश दिया गया।

कार्यक्रम के अंत में किसानों की समस्याओं का समाधान किया गया तथा सभी ने अभियान को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

समर कैंप की सफलता को लेकर बीआरसी इस्लामपुर में हुई रणनीति बैठक

मोहम्मद जियाउद्दीन

इस्लामपुर (अपना नालंदा)। बच्चों के सीखने के स्तर में सुधार, रचनात्मक क्षमता के विकास तथा आनंददायक शिक्षण वातावरण के निर्माण के उद्देश्य से प्रखंड संसाधन केंद्र (बीआरसी) इस्लामपुर में समर कैंप के सफल संचालन को लेकर समीक्षा एवं मार्गदर्शन बैठक आयोजित की गई। यह कार्यक्रम प्रथम एजुकेशन फाउंडेशन के सहयोग से संचालित किया जा रहा है।

बैठक में प्रथम एजुकेशन फाउंडेशन की सीआईएम माधुरी कुमारी, टोला सेवक हेड ममता कुमारी, आईसीटी कोऑर्डिनेटर अजहर तथा प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी अमित कुमार उपस्थित रहे। इस अवसर पर समर कैंप के संचालन में सहयोग देने के लिए 49 शिक्षा सेवकों एवं तालीमी मरकज़ कर्मियों के साथ 20 स्वयंसेवकों का पंजीकरण किया गया।

बैठक के दौरान समर कैंप की रूपरेखा, उद्देश्यों एवं संचालन प्रक्रिया पर विस्तार से चर्चा की गई। बच्चों के अधिगम स्तर की पहचान के लिए बेसलाइन असेसमेंट की प्रक्रिया की जानकारी दी गई तथा इसके प्रभावी संचालन के लिए प्रशिक्षण भी प्रदान किया गया। इसके अलावा खेल आधारित शिक्षण, भाषा एवं गणितीय गतिविधियों, कहानी वाचन, कला गतिविधियों तथा समूह कार्यों को रोचक ढंग से संचालित करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

अधिकारियों ने कहा कि समर कैंप बच्चों में आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता, संवाद कौशल और रचनात्मक सोच विकसित करने का प्रभावी माध्यम है। इससे बच्चों को सीखने का आनंददायक वातावरण मिलेगा और उनके जीवन कौशल का भी विकास होगा।

बैठक के अंत में सभी प्रतिभागियों ने समर कैंप को सफल बनाने तथा बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए समर्पित भाव से कार्य करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम उत्साहपूर्ण एवं सकारात्मक वातावरण में संपन्न हुआ।

मशरूम उत्पादन प्रशिक्षण से युवाओं को आत्मनिर्भर बनने की मिली प्रेरणा

हरिओम कुमार

हरनौत (अपना नालंदा)। हरनौत बाजार स्थित कृषि विज्ञान केंद्र परिसर में मशरूम उत्पादन एवं प्रसंस्करण विषय पर आयोजित पांच दिवसीय गैर-आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम शनिवार को प्रमाण पत्र वितरण के साथ संपन्न हो गया। प्रशिक्षण के अंतिम दिन प्रतिभागियों का मूल्यांकन भी किया गया।

कृषि विज्ञान केंद्र की वरीय वैज्ञानिक सह प्रधान डॉ. सीमा कुमारी ने बताया कि यह प्रशिक्षण 2 जून से 6 जून तक आयोजित किया गया था। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य युवाओं और किसानों को मशरूम उत्पादन की वैज्ञानिक तकनीकों की जानकारी देकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना था। कार्यक्रम में 30 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को मशरूम बीज उत्पादन की प्रक्रिया, खाद तैयार करने की विधि, फसल प्रबंधन, रोग नियंत्रण तथा आवश्यक उपकरणों के उपयोग की विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही मशरूम उत्पादन को स्वरोजगार के रूप में अपनाने के लिए भी प्रेरित किया गया।

गृह विज्ञान की वैज्ञानिक डॉ. ज्योति सिन्हा ने बताया कि मशरूम पोषक तत्वों से भरपूर खाद्य पदार्थ है। इसमें प्रोटीन, फाइबर, विटामिन और खनिज प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं, जो स्वास्थ्य के लिए अत्यंत लाभकारी हैं। उन्होंने कहा कि कम जगह और सीमित संसाधनों में भी मशरूम की खेती सफलतापूर्वक की जा सकती है, जिससे यह छोटे किसानों और बेरोजगार युवाओं के लिए बेहतर रोजगार का माध्यम बन सकता है।

उन्होंने कहा कि मशरूम उत्पादन से आय में वृद्धि के साथ कृषि अपशिष्ट का भी सदुपयोग होता है। कार्यक्रम में उद्यान विज्ञान की वैज्ञानिक कुमारी विभा रानी सहित कृषि विज्ञान केंद्र के अन्य कर्मी एवं प्रतिभागी उपस्थित रहे। अंत में सभी सफल प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

पोआरी गांव में ठप नल जल योजना से बढ़ी ग्रामीणों की परेशानी

हरिओम कुमार

हरनौत (अपना नालंदा)। प्रखंड के पोआरी पंचायत अंतर्गत वार्ड संख्या 13 स्थित पोआरी गांव में सात निश्चय योजना के तहत संचालित हर घर नल-जल योजना पिछले लगभग एक सप्ताह से ठप पड़ी है। भीषण गर्मी के बीच पेयजल आपूर्ति बाधित होने से ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सबसे अधिक परेशानी महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों को हो रही है, जिन्हें दूर-दराज के स्रोतों से पानी लाना पड़ रहा है।

ग्रामीण बिरेन पासवान ने बताया कि नल-जल योजना बंद रहने से पूरे टोले में जल संकट गहरा गया है। लोगों को दैनिक उपयोग के लिए भी पर्याप्त पानी नहीं मिल पा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि इस समस्या को लेकर कई बार संबंधित अधिकारियों और कर्मियों को जानकारी दी गई, लेकिन अब तक स्थायी समाधान नहीं किया गया है।

ग्रामीणों ने पीएचईडी विभाग के कनीय अभियंता और संबंधित ठेकेदार पर लापरवाही का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि मोटर और बिजली उपकरणों में बार-बार खराबी आने के कारण जलापूर्ति अक्सर बाधित हो जाती है। पूर्व में भी कई बार योजना बंद हुई थी, जिसे शिकायत और मीडिया में मामला आने के बाद ही दुरुस्त किया गया था।

ग्रामीणों ने बताया कि यह अनुसूचित जाति बहुल इलाका है, जहां अधिकांश लोग आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग से आते हैं। इसके बावजूद उन्हें पेयजल जैसी बुनियादी सुविधा से वंचित रहना पड़ रहा है। इससे लोगों में विभाग के प्रति नाराजगी बढ़ रही है।ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही नल-जल योजना को चालू नहीं किया गया तो वे प्रखंड कार्यालय पर धरना-प्रदर्शन करने को बाध्य होंगे। इस संबंध में पीएचईडी की कनीय अभियंता सुप्रिया कुमारी ने बताया कि मामला उनके संज्ञान में है। एमसीबी सहित कुछ अन्य उपकरणों में खराबी आई है, जिसे जल्द ठीक कर जलापूर्ति बहाल कर दी जाएगी।

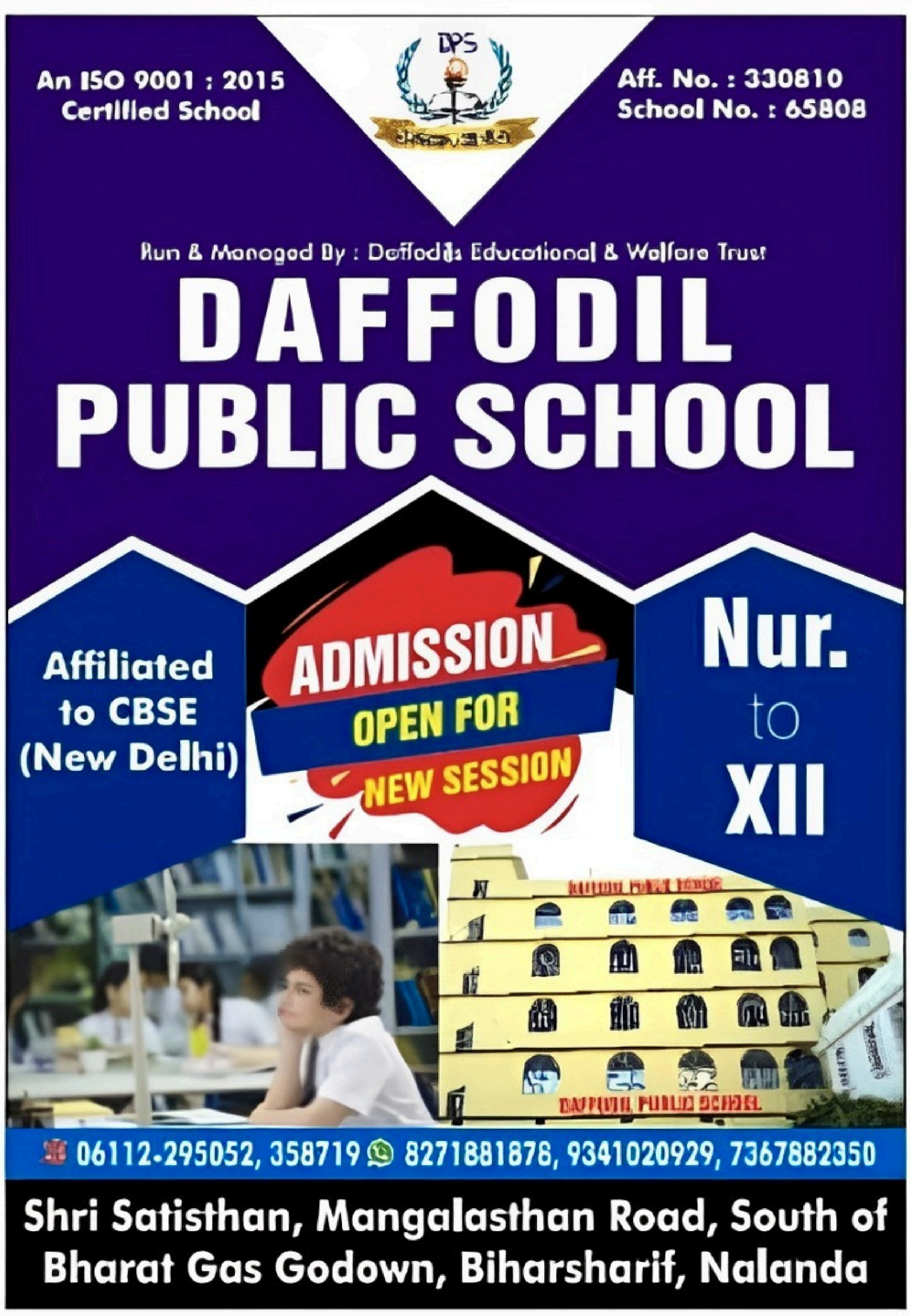

बिहार में विकसित होंगे विश्वस्तरीय खेल ढांचे, खिलाड़ियों को मिलेंगी आधुनिक सुविधाएं:-सम्राट चौधरी

पटना (अपना नालंदा)। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने शनिवार को लोक सेवक आवास स्थित संकल्प सभागार में खेल विभाग की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक कर राज्य में खेल अवसंरचना के विकास, खिलाड़ियों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं तथा भविष्य की कार्ययोजनाओं की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि बिहार को खेल के क्षेत्र में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाने के लिए सभी योजनाओं को समयबद्ध ढंग से पूरा किया जाए।

बैठक में खेल विभाग के सचिव विनोद सिंह गुंजियाल ने खेल अवसंरचना विकास, विभिन्न योजनाओं की प्रगति, खिलाड़ियों को दिए जा रहे प्रोत्साहन तथा आगामी योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की। समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार खिलाड़ियों को बेहतर अवसर प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है और अंतर्राष्ट्रीय स्तर की खेल सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में लगातार कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि राजगीर में निर्माणाधीन अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम का कार्य 31 दिसंबर 2026 तक हर हाल में पूरा किया जाए। साथ ही पटना के डुमरी खेल परिसर में विभिन्न खेलों के लिए अलग-अलग अंतर्राष्ट्रीय स्तर के स्टेडियमों का निर्माण कराया जाए। उन्होंने कहा कि राज्य में चरणबद्ध तरीके से विश्वस्तरीय खेल अवसंरचनाओं का निर्माण किया जा रहा है ताकि खिलाड़ियों को उच्चस्तरीय प्रशिक्षण और प्रतियोगिताओं की सुविधाएं मिल सकें।

उन्होंने बताया कि राज्य की 8053 ग्राम पंचायतों में से 4700 ग्राम पंचायतों में 5266 खेल मैदानों का निर्माण पूरा हो चुका है। शेष खेल मैदानों का निर्माण भी शीघ्र पूरा करने का निर्देश दिया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (वीबी-जीआरएएमजी) के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में खेल मैदानों के निर्माण को गति दी जाए।

मुख्यमंत्री ने पटना स्थित मोइनुल हक स्टेडियम के पुनर्विकास कार्य में तेजी लाने के लिए भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड (बीसीसीआई) एवं बिहार क्रिकेट एसोसिएशन (बीसीए) के साथ समन्वय स्थापित करने का निर्देश दिया। उन्होंने स्टेडियम तक बेहतर सड़क और परिवहन सुविधा विकसित करने पर भी बल दिया ताकि बड़े खेल आयोजनों के दौरान यातायात व्यवस्था सुचारु बनी रहे।

उन्होंने कहा कि बिहार खेल विश्वविद्यालय, राजगीर में ऐसे पाठ्यक्रम शुरू किए जाएं जो नवाचार, रोजगार और खेल प्रबंधन के क्षेत्र में युवाओं के लिए उपयोगी हों। जिला स्तरीय खेल भवन-सह-व्यायामशालाओं तथा प्रखंड स्तरीय आउटडोर स्टेडियमों के निर्माण में तेजी लाने और उनके संचालन एवं रखरखाव के लिए सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल की संभावनाओं पर कार्य करने का निर्देश दिया।

मुख्यमंत्री ने पंचायत स्तर पर नियमित खेल उत्सव एवं प्रतियोगिताएं आयोजित कर ग्रामीण प्रतिभाओं को आगे लाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा के लिए खिलाड़ियों को गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण, खेल उपकरण, आधुनिक कोचिंग तथा अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। बैठक में खेल मंत्री श्रेयसी सिंह, प्रधान सचिव दीपक कुमार, विकास आयुक्त मिहिर कुमार सिंह, सचिव लोकेश कुमार सिंह, सचिव संजय कुमार सिंह, महानिदेशक रविन्द्रण शंकरण, निदेशक आरिफ अहसन सहित कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

पटना में आरोग्यम वेलनेस सेंटर का उद्घाटन, नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण एवं परामर्श शिविर का आयोजन

पटना(अपना नालंदा)। राजधानी पटना के उमा सिनेमा के समीप स्थित आरोग्यम वेलनेस सेंटर का भव्य उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर जदयू के विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) संजय सिंह बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे। वहीं रोहित त्रिवेदी (डायरेक्टर) और गोलोक नाथ बिस्वास विशिष्ट अतिथि के रूप में कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम के आयोजक एवं आरोग्यम वेलनेस सेंटर के संचालक संदीप नारायण लाल भी मौजूद रहे।

उद्घाटन समारोह के दौरान अनुभवी चिकित्सकों द्वारा मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया तथा उन्हें आवश्यक स्वास्थ्य संबंधी परामर्श भी दिया गया। बड़ी संख्या में लोगों ने इस शिविर का लाभ उठाया और विशेषज्ञ डॉक्टरों से स्वास्थ्य संबंधी सलाह प्राप्त की।

इस अवसर पर एमएलसी संजय सिंह ने कहा कि समाज के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना समय की आवश्यकता है। आरोग्यम वेलनेस सेंटर का यह प्रयास लोगों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने केंद्र की टीम को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि ऐसे संस्थान समाज के स्वास्थ्य स्तर को बेहतर बनाने में सहायक सिद्ध होंगे।

वहीं डायरेक्टर रोहित त्रिवेदी ने कहा कि आरोग्यम वेलनेस सेंटर का उद्देश्य लोगों को आधुनिक एवं समग्र स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि केंद्र के माध्यम से लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने के साथ-साथ बेहतर उपचार एवं परामर्श की सुविधा भी दी जाएगी।

कार्यक्रम के अंत में आयोजक एवं सेंटर के संचालक संदीप नारायण लाल ने सभी अतिथियों, चिकित्सकों एवं उपस्थित लोगों का आभार व्यक्त किया और भविष्य में भी जनहित में स्वास्थ्य संबंधी कार्यक्रम आयोजित करने की बात कही।

तम्बाकू मुक्त बिहार अभियान को विधान सभा में मिला व्यापक समर्थन

पटना(अपना नालंदा)। विश्व तम्बाकू निषेध दिवस 2026 के अवसर पर बिहार विधान सभा के विस्तारित भवन स्थित ऑडिटोरियम हॉल में "तम्बाकू मुक्त बिहार: युवा, सरकारी संस्थानों और आध्यात्मिक संगठनों की भूमिका" विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय द्वारा अलायंस फॉर टोबैको फ्री बिहार (एएफटीबी) एवं सोसियो इकोनॉमिक एंड एजुकेशनल डेवलपमेंट सोसाइटी (सीड्स) के सहयोग से किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बिहार विधान सभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि तम्बाकू सेवन केवल एक बुरी आदत नहीं, बल्कि गंभीर बीमारियों, आर्थिक नुकसान और सामाजिक समस्याओं का प्रमुख कारण है। उन्होंने कहा कि बच्चों और युवाओं को तम्बाकू एवं निकोटिन की लत से बचाने के लिए कठोर कानून, प्रभावी क्रियान्वयन और व्यापक जनजागरूकता आवश्यक है।

कार्यशाला में वक्ताओं ने तम्बाकू नियंत्रण अधिनियम (कोटपा-2003) को बिहार में और अधिक प्रभावी बनाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि झारखंड की तर्ज पर एवं राज्य में कानून को और मजबूत कर युवाओं तथा आम नागरिकों को तम्बाकू की लत से बचाया जा सकता है।

इस अवसर पर सीड्स के कार्यपालक निदेशक दीपक मिश्रा, एएफटीबी के संयोजक डॉ. धीरेन्द्र नारायण सिन्हा तथा ब्रह्माकुमारीज के राज्य कार्यक्रम समन्वयक बी.के. संजय भाई समेत कई वक्ताओं ने अपने विचार रखे।

कार्यक्रम के अंत में अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने सभी प्रतिभागियों को तम्बाकू सेवन नहीं करने की शपथ दिलाई तथा तम्बाकू मुक्त समाज निर्माण में सक्रिय योगदान देने का संकल्प दिलाया। कार्यक्रम में विधानसभा के जनप्रतिनिधि, अधिकारी, कर्मचारी बड़ी संख्या में स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत भाजपा कार्यकर्ताओं ने किया वृक्षारोपण

हिलसा (अपना नालंदा)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी हिलसा इकाई के कार्यकर्ताओं द्वारा सैदनपुर गांव स्थित बूथ संख्या 170 पर वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व बूथ अध्यक्ष राजू कुमार ने किया। इस दौरान पर्यावरण संरक्षण और हरित भविष्य के प्रति लोगों को जागरूक करने का संदेश दिया गया।

कार्यक्रम में उपस्थित भाजपा के नालंदा जिला मंत्री योगेंद्र कुमार मंडल ने कहा कि विश्व पर्यावरण दिवस का मुख्य उद्देश्य लोगों को प्रकृति के महत्व के प्रति जागरूक करना तथा बढ़ते प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन और वनों की कटाई जैसी गंभीर चुनौतियों के प्रति सचेत करना है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रत्येक व्यक्ति को अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए।

भाजपा ओबीसी मोर्चा के जिला अध्यक्ष विकास कुमार चंद्रवंशी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्षपूरे होने के अवसर पर पूरे देश में "एक पेड़ मां के नाम" अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत अधिक से अधिक पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया जा रहा है।

जिला प्रवक्ता संजय सागर ने कहा कि पर्यावरण और जीव-जगत के बीच गहरा संबंध है तथा हमें प्रकृति से सामंजस्य स्थापित कर जीवन को सुरक्षित बनाना होगा। वहीं पूर्व जिला कोषाध्यक्ष राजीव कुमार ने कहा कि स्थलमंडल, जलमंडल, वायुमंडल और जीवमंडल पृथ्वी पर जीवन के आधार हैं, जिनकी रक्षा के लिए वैश्विक स्तर पर सामूहिक प्रयास आवश्यक हैं।

इसके अलावा हिलसा नगर मंडल महामंत्री उदित नारायण द्वारा बूथ संख्या 151 पर भी वृक्षारोपण किया गया। कार्यक्रम में नंदलाल साव, अभिनव कौशल, सुब्रत हालदार, रजनीश रंजन, साहिल पटेल, गोलू कुमार, जितेंद्र कुमार, दयानंद कुमार, जीतू कुमार सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पराली नहीं जलाएं, मिट्टी बचाएं: किसानों को किया गया जागरूक

थरथरी (अपना नालंदा)। प्रखंड मुख्यालय स्थित ई-किसान भवन में शनिवार को "खेत बचाओ अभियान" के तहत किसानों के बीच जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों को मृदा संरक्षण, पराली प्रबंधन तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना था। इसमें बड़ी संख्या में किसानों ने भाग लिया।

बैठक को संबोधित करते हुए प्रखंड कृषि पदाधिकारी शिक्षा कुमारी ने कहा कि पराली जलाने से मिट्टी की उर्वरता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। खेतों में मौजूद आवश्यक पोषक तत्व नष्ट हो जाते हैं, जिससे फसलों की उत्पादकता प्रभावित होती है। उन्होंने बताया कि मिट्टी की गुणवत्ता बढ़ाने वाले मित्र कीट भी आग की चपेट में आकर नष्ट हो जाते हैं, जिससे कृषि उत्पादन पर दीर्घकालीन असर पड़ता है।उन्होंने किसानों को बताया कि पराली जलाने से वायु प्रदूषण बढ़ता है और इससे लोगों में श्वसन संबंधी बीमारियों का खतरा भी बढ़ जाता है। सरकार द्वारा पराली जलाने पर प्रतिबंध लगाया गया है और नियमों का उल्लंघन करने वालों पर जुर्माना तथा कानूनी कार्रवाई का प्रावधान है।

कार्यक्रम में किसानों को पराली प्रबंधन के वैकल्पिक उपायों की जानकारी दी गई। अधिकारियों ने 'पूसा डीकंपोजर' के उपयोग पर विशेष जोर देते हुए बताया कि इसकी मदद से पराली को खेत में ही सड़ाकर जैविक खाद में बदला जा सकता है। इससे मिट्टी की उर्वरता बढ़ती है और रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता भी कम होती है।मौके पर तकनीकी सहायक धनराज, कृषि समन्वयक पंकज कुमार, राकेश कुमार, किसान सलाहकार राजबल्लभ कुमार, सुरेन कुमार, डॉ. नरेश प्रसाद, बिन्देला यादव, किसान सखी आशा देवी सहित कई किसान उपस्थित रहे। सभी ने खेत बचाओ अभियान को सफल बनाने का संकल्प लिया।

राजगीर मलमास मेले की आध्यात्मिक पहचान सुरक्षित रखना समय की मांग:- फलाहारी बाबा

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। विश्व प्रसिद्ध पुरुषोत्तम मास मेला, जिसे मलमास मेला के नाम से जाना जाता है, अपनी धार्मिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक महत्ता के कारण देश-दुनिया में विशिष्ट पहचान रखता है। वैदिक परंपराओं से जुड़ा यह मेला केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि सनातन संस्कृति, तप, साधना, सेवा और लोककल्याण का महापर्व माना जाता है। इसी संदर्भ में महर्षि चिदात्मन जी महाराज उर्फ फलाहारी बाबा ने मेले की मूल आध्यात्मिक पहचान को संरक्षित रखने की आवश्यकता पर बल दिया है।

फलाहारी बाबा ने कहा कि राजगीर की पावन भूमि ऋषियों, मुनियों और तपस्वियों की साधना स्थली रही है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार पुरुषोत्तम मास के दौरान ब्रह्मांड के 33 कोटि देवी-देवता राजगीर में निवास करते हैं। यही कारण है कि देश के विभिन्न राज्यों से लाखों श्रद्धालु, संत-महात्मा और साधक यहां पहुंचकर स्नान, दान, जप, तप, ध्यान और पूजा-अर्चना के माध्यम से आध्यात्मिक साधना करते हैं।

उन्होंने कहा कि राजगीर का इतिहास अत्यंत गौरवशाली रहा है। प्राचीन काल में यह वसुमतीपुर, वृहद्रथपुर, गिरिव्रज, कुशाग्रपुर और राजगृह जैसे नामों से विख्यात था। यह मगध साम्राज्य की राजधानी तथा धार्मिक, दार्शनिक और सांस्कृतिक गतिविधियों का प्रमुख केंद्र रहा है। यहां की पहाड़ियां, पवित्र कुंड और तीर्थस्थल आज भी आध्यात्मिक ऊर्जा और ऐतिहासिक विरासत के प्रतीक हैं।

फलाहारी बाबा ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि समय के साथ मेले का स्वरूप बदलता दिखाई दे रहा है। उन्होंने कहा कि पुरुषोत्तम मास मेला सनातन संस्कृति और आध्यात्मिक साधना का पर्व है। इसे केवल मनोरंजन या दिखावे तक सीमित नहीं होने देना चाहिए। इस मेले की मूल पहचान धर्म, भक्ति, तपस्या और लोककल्याण है, जिसे हर हाल में सुरक्षित रखना आवश्यक है।

उन्होंने बताया कि प्राचीन काल में ऐसे अवसरों पर संत सम्मेलन, धर्म सभाएं, वेद-पुराणों का श्रवण, रामकथा, श्रीमद्भागवत कथा, गीता प्रवचन और जनकल्याणकारी धार्मिक कार्यक्रम आयोजित होते थे। इन आयोजनों से समाज को आध्यात्मिक दिशा और नैतिक मूल्यों की प्रेरणा मिलती थी। वर्तमान समय में भी मेले के दौरान ऐसे कार्यक्रमों को व्यापक स्तर पर आयोजित करने की आवश्यकता है।

फलाहारी बाबा ने सुझाव दिया कि मेला क्षेत्र में रामलीला, रासलीला, श्रीमद्भागवत कथा, रामकथा, गीता प्रवचन और संत सम्मेलन जैसे आयोजनों को बढ़ावा दिया जाए। साथ ही श्रद्धालुओं एवं जरूरतमंद लोगों के लिए अन्न क्षेत्र और सेवा शिविरों की व्यवस्था भी अधिक से अधिक होनी चाहिए, जिससे सेवा और परोपकार की सनातन परंपरा मजबूत हो सके।

उन्होंने बताया कि गढ़ महादेव मंदिर परिसर में वर्तमान में कथा-प्रवचन के साथ अन्न क्षेत्र का संचालन किया जा रहा है, जहां श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक मार्गदर्शन के साथ भोजन प्रसाद भी उपलब्ध कराया जाता है। उन्होंने कहा कि ऐसी व्यवस्थाएं अन्य धार्मिक शिविरों में भी विकसित की जानी चाहिए।

अंत में फलाहारी बाबा ने कहा कि पुरुषोत्तम मास आत्मचिंतन, साधना, सेवा और ईश्वर स्मरण का विशेष काल है। यदि मेला अपने मूल आध्यात्मिक स्वरूप में आगे बढ़ता रहा, तो आने वाली पीढ़ियों को धर्म, संस्कृति, सेवा और संस्कारों की अमूल्य विरासत प्राप्त होगी। उन्होंने संत समाज, श्रद्धालुओं और आयोजकों से मिलकर इस आध्यात्मिक धरोहर को संरक्षित रखने का आह्वान किया।

खेत में फसल देखने गए किशोर पर हमला, प्राथमिकी दर्ज

सुधीर प्रसाद

बेन (अपना नालंदा)। थाना क्षेत्र के दहाघाट गांव में एक किशोर पर जान मारने की नीयत से हमला किए जाने का मामला सामने आया है। इस संबंध में पीड़ित द्वारा बेन थाना में लिखित आवेदन देकर प्राथमिकी दर्ज कराई गई है।

दहाघाट निवासी प्रीतम राज (16 वर्ष), पिता स्वर्गीय छोटू कुमार ने पुलिस को दिए आवेदन में आरोप लगाया है कि वह अपने मूंग की फसल देखने खेत पर गया था। इसी दौरान गांव के ही विशाल कुमार (20 वर्ष), पिता सतीश कुमार तथा सूरज कुमार (25 वर्ष), पिता मुन्ना यादव ने उसके साथ मारपीट शुरू कर दी।

पीड़ित के अनुसार, उसके शोर मचाने पर आसपास के ग्रामीण घटनास्थल की ओर दौड़े, जिसके बाद दोनों आरोपित वहां से फरार हो गए। आवेदन में यह भी उल्लेख किया गया है कि आरोपित पहले भी उसे जान से मारने की धमकी दे चुके हैं।

मामले में आवेदन प्राप्त होने के बाद बेन थाना पुलिस जांच में जुट गई है। पुलिस का कहना है कि मामले की छानबीन कर आगे की आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

लोक संवाद गोष्ठी में पुलिस ने सुनी जनता की समस्याएं सुझाव

संजय वर्मा

नवादा (अपना नालंदा)। पुलिस और जनता के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने के उद्देश्य से शनिवार को इंटर विद्यालय, ओड़ो में विशेष लोक संवाद गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम मगध क्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक विकास वैभव के निर्देशानुसार आयोजित हुआ, जिसका नेतृत्व थानाध्यक्ष राजेश कुमार ने किया। इस अवसर पर एसआई अभिषेक कुमार एवं धीरेंद्र कुमार भी उपस्थित रहे।

गोष्ठी को संबोधित करते हुए थानाध्यक्ष राजेश कुमार ने कहा कि पुलिस का उद्देश्य केवल कानून व्यवस्था बनाए रखना नहीं, बल्कि समाज में शांति और सौहार्द कायम रखना भी है। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि छोटे-मोटे विवादों को कोर्ट-कचहरी तक ले जाने के बजाय ग्राम कचहरी के माध्यम से आपसी सहमति से सुलझाने का प्रयास करें। इससे समय और धन की बचत होगी तथा सामाजिक भाईचारा भी मजबूत होगा।

कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों ने क्षेत्र की कानून व्यवस्था, सुरक्षा और सामाजिक सौहार्द से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर अपने सुझाव रखे। पुलिस अधिकारियों ने सभी सुझावों को गंभीरता से सुना और आवश्यक कार्रवाई का भरोसा दिलाया।गोष्ठी में ओड़ो पंचायत की मुखिया चिंता देवी, सरपंच शीला देवी, समाजसेवी गौरव कुमार छोटी, चंदन कुमार, न्याय सचिव नंदकिशोर राजवंशी, अरुण कुमार सिंह, विक्की कुमार, रविन्द्र मिस्त्री, वार्ड सदस्य महेश यादव, विपिन कुमार, शंकर दयाल शर्मा एवं मुकेश यादव सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।स्थानीय लोगों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से पुलिस और जनता के बीच विश्वास बढ़ता है तथा क्षेत्र में शांति एवं कानून व्यवस्था को मजबूत करने में मदद मिलती है।

करंट से मृत युवक के परिजनों को प्रशासन ने दी आर्थिक सहायता

संजय वर्मा

नवादा (अपना नालंदा)। कौआकोल प्रखंड के सोखोदेवरा पंचायत अंतर्गत पावापुरी गोवरैया गांव निवासी मसुदन मांझी की विद्युत स्पर्शाघात से हुई असामयिक मृत्यु के बाद प्रशासन ने त्वरित पहल करते हुए उनके परिजनों को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई। शनिवार को प्रखंड विकास पदाधिकारी डॉ. अखिलेश कुमार ने अपने कार्यालय कक्ष में मृतक की पत्नी अनिशा देवी को मुख्यमंत्री पारिवारिक लाभ योजना के तहत 20 हजार रुपये का चेक प्रदान किया।

इस अवसर पर बीडीओ डॉ. अखिलेश कुमार ने शोकाकुल परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार संकट की घड़ी में पीड़ित परिवारों के साथ खड़ी है। उन्होंने कहा कि पात्रता के अनुसार परिवार को अन्य सरकारी योजनाओं का लाभ भी दिलाया जाएगा, ताकि उन्हें आर्थिक एवं सामाजिक सहयोग मिल सके।ज्ञात हो कि पावापुरी गोवरैया गांव निवासी गांगलु मांझी के 32 वर्षीय पुत्र मसुदन मांझी की शुक्रवार को बिजली के करंट की चपेट में आने से मौत हो गई थी। अचानक हुई इस घटना से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। ग्रामीणों और परिजनों में शोक की लहर फैल गई थी।

घटना के बाद प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मुख्यमंत्री पारिवारिक लाभ योजना के तहत सहायता राशि स्वीकृत कर मृतक के परिवार को प्रदान की। इससे पीड़ित परिवार को कठिन समय में कुछ आर्थिक राहत मिली है।

मौके पर समाजसेवी योगी त्यागनाथ, प्रखंड नाजिर गोपाल कुमार सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सभी ने दिवंगत मसुदन मांझी को श्रद्धांजलि अर्पित की तथा शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करते हुए उन्हें ढांढस बंधाया।

टी.एस. कॉलेज हिसुआ के 12 एनसीसी कैडेट बने अग्निवीर, कॉलेज में खुशी की लहर

संजय वर्मा

नवादा (अपना नालंदा)। मगध विश्वविद्यालय बोधगया की अंगीभूत इकाई टी.एस. कॉलेज, हिसुआ की एनसीसी इकाई के 12 कैडेटों का भारतीय सेना में अग्निवीर के रूप में चयन होने पर कॉलेज परिवार में खुशी और उत्साह का माहौल है। कैडेटों की इस उल्लेखनीय उपलब्धि को कॉलेज की एनसीसी इकाई के उत्कृष्ट प्रशिक्षण, अनुशासन तथा युवाओं की मेहनत का परिणाम माना जा रहा है।

इस अवसर पर कॉलेज के प्राचार्य प्रो. पवन कुमार शर्मा ने चयनित कैडेटों को बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता न केवल कैडेटों की लगन और परिश्रम का प्रतिफल है, बल्कि कॉलेज की एनसीसी इकाई की गुणवत्ता और समर्पण को भी दर्शाती है। उन्होंने विश्वास जताया कि चयनित युवा भारतीय सेना में अपनी जिम्मेदारियों का सफलतापूर्वक निर्वहन करते हुए देश और संस्थान का नाम रोशन करेंगे।

कॉलेज की एनसीसी इकाई के एएनओ लेफ्टिनेंट डॉ. सुनील कुमार दुबे ने भी चयनित कैडेटों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि एनसीसी युवाओं में नेतृत्व क्षमता, अनुशासन और राष्ट्रभक्ति की भावना विकसित करने का सशक्त मंच है। उन्होंने बताया कि कैडेटों ने नियमित प्रशिक्षण, कठिन परिश्रम और दृढ़ संकल्प के बल पर यह उपलब्धि हासिल की है।

मीडिया प्रभारी मुकेश कुमार ने बताया कि कॉलेज के 12 कैडेटों का भारतीय सेना में चयन हुआ है। चयनित कैडेटों में अंशु कुमार, रोमित कुमार, गुलशन कुमार, सागर कुमार, अंकित कुमार, गौतम कुमार, शुभम कुमार, कौशल कुमार, देवा भारती, नवीन कुमार, नीतीश कुमार तथा अंजनी कुमार शामिल हैं।

इस उपलब्धि पर वितेक्षक डॉ. स्वर्गेश कुमार, डॉ. संजय कुमार, डॉ. रजनीश देव, एनएसएस पदाधिकारी डॉ. संजय कुमार चौहान, दिव्या पाण्डेय, डॉ. मांडवी रानी, प्रधान सहायक राजेश कुमार, अनिल कुमार, शैलेंद्र कुमार, सिन्धुकांत, अजय कुमार शर्मा, शंकर कुमार, रौशन कुमार सहित कॉलेज परिवार के अन्य सदस्यों ने भी चयनित कैडेटों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

लोक संवाद गोष्ठी से पुलिस और जनता के रिश्ते होंगे मजबूत

अजीत कुमार

जहानाबाद (अपना नालंदा)। पुलिस और जनता के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने तथा स्थानीय समस्याओं के त्वरित समाधान के उद्देश्य से शुक्रवार को नगर थाना क्षेत्र अंतर्गत आदर्श मध्य विद्यालय, उंटा में "लोक संवाद गोष्ठी" का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व पुलिस अधीक्षक अपराजित लोहान ने किया।

गोष्ठी का आयोजन पुलिस महानिरीक्षक, मगध क्षेत्र, गया के निर्देशानुसार किया गया। इस दौरान पुलिस अधीक्षक अपराजित लोहान ने उपस्थित लोगों की समस्याओं और सुझावों को गंभीरता से सुना तथा उनके समाधान के लिए आवश्यक कदम उठाने का आश्वासन दिया।

उन्होंने कहा कि प्रभावी पुलिस व्यवस्था के लिए पुलिस और जनता के बीच विश्वास का होना अत्यंत आवश्यक है। जब तक पुलिस जनता का विश्वास नहीं जीत पाएगी, तब तक अपराध नियंत्रण की दिशा में अपेक्षित सफलता प्राप्त करना कठिन होगा। उन्होंने कहा कि सामुदायिक पुलिसिंग और जनसहभागिता के माध्यम से अपराध पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया जा सकता है।

पुलिस अधीक्षक ने लोगों से अपील की कि वे किसी भी संदिग्ध गतिविधि या अपराध की सूचना तुरंत पुलिस को दें, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके। उन्होंने कहा कि पुलिस का उद्देश्य केवल कानून व्यवस्था बनाए रखना ही नहीं, बल्कि आम लोगों की समस्याओं को समझकर उनका समाधान करना भी है।

लोक संवाद गोष्ठी में स्थानीय नागरिकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और अपनी समस्याएं पुलिस प्रशासन के समक्ष रखीं। इस पहल की लोगों ने सराहना करते हुए कहा कि इससे पुलिस और जनता के बीच संवाद बढ़ेगा तथा आपसी विश्वास मजबूत होगा। लोगों को उम्मीद है कि इस सकारात्मक पहल से क्षेत्र में कानून व्यवस्था और बेहतर होगी।

हरनौत में नाइट क्रिकेट टूर्नामेंट का आगाज, कुंदन-11 ने पहले मुकाबले में फॉल्कन को हराया

हरिओम कुमार

हरनौत (अपना नालंदा)। नालंदा जिले के हरनौत प्रखंड मुख्यालय स्थित पशुचारा मैदान में शुक्रवार से नाइट क्रिकेट टूर्नामेंट का भव्य शुभारंभ हुआ। उद्घाटन समारोह उत्साह, उमंग और खेल भावना से सराबोर रहा। टूर्नामेंट के शुभारंभ अवसर पर हरनौत नगर पंचायत के मुख्य पार्षद प्रतिनिधि एवं प्रतियोगिता के संयोजक धीरज कुमार उर्फ पल्लू सिंह, हरनौत व्यापार मंडल अध्यक्ष सह बस्ती पैक्स अध्यक्ष दिलीप सिंह, उप मुख्य पार्षद प्रतिनिधि सह समाजसेवी सुरेश सिंह सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

टूर्नामेंट के पहले मुकाबले का टॉस मुख्य पार्षद प्रतिनिधि धीरज कुमार उर्फ पल्लू सिंह ने कराया। इस दौरान अतिथियों ने बल्ला चलाकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। मैदान में खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों का उत्साह देखते ही बन रहा था।

पहले मैच में फॉल्कन और कुंदन-11 की टीम आमने-सामने हुईं। टॉस जीतकर फॉल्कन के कप्तान अमित ने पहले क्षेत्ररक्षण का निर्णय लिया। बल्लेबाजी करते हुए कुंदन-11 ने निर्धारित 12 ओवर में 91 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी फॉल्कन की टीम 11.2 ओवर में सभी विकेट गंवाकर 73 रन ही बना सकी। इस प्रकार कुंदन-11 ने 18 रन से शानदार जीत दर्ज कर टूर्नामेंट का विजयी आगाज किया, जबकि फॉल्कन टीम उपविजेता रही।

मौके पर वार्ड पार्षद संजय कुमार, टिंकू कुमार, रिंकू पांडे, राजीव कुमार सहित सैकड़ों खेलप्रेमी मौजूद रहे। संरक्षक मंडल के सदस्य मनीष ने बताया कि प्रतियोगिता सुपर लीग प्रारूप में आयोजित की जा रही है। फाइनल में विजेता टीम को 15 हजार रुपये तथा उपविजेता टीम को 10 हजार रुपये नकद पुरस्कार, ट्रॉफी और मेडल देकर सम्मानित किया जाएगा।

मलमास मेले में थिएटरों का जलवा, दर्शकों की उमड़ी भीड़; नृत्य-संगीत के रंग में रंगा राजगीर

संजय कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। अंतरराष्ट्रीय पर्यटन नगरी राजगीर में आयोजित ऐतिहासिक मलमास मेला अब अपने अंतिम चरण की ओर बढ़ रहा है। मेले के समापन में अब मात्र दस दिन शेष रह गए हैं, लेकिन श्रद्धालुओं और पर्यटकों की भीड़ लगातार बढ़ती जा रही है। धार्मिक आस्था, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और मनोरंजन के विविध साधनों के बीच इस बार भी मेले में थिएटरों का आकर्षण लोगों के सिर चढ़कर बोल रहा है।

हर तीन वर्ष पर लगने वाले राजगीर मलमास मेले में इस बार भी तीन प्रमुख थिएटर— शोभा सम्राट थिएटर, एक नजर पायल थिएटर और इंडिया थिएटर, दर्शकों के बीच खास आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। शाम होते ही इन थिएटरों के बाहर दर्शकों की लंबी कतारें लग जाती हैं। स्थिति यह है कि आगे की सीट पाने के लिए लोग शाम चार बजे से ही टिकट काउंटर के सामने लाइन लगाकर खड़े हो जाते हैं।

तीनों थिएटरों के बीच दर्शकों को अपनी ओर आकर्षित करने की होड़ साफ दिखाई दे रही है। प्रत्येक थिएटर की महिला कलाकार अपने नृत्य, अभिनय और मंचीय प्रस्तुति के माध्यम से दर्शकों का मनोरंजन करने में जुटी हैं। कलाकारों की आकर्षक प्रस्तुतियां और आधुनिक प्रकाश एवं ध्वनि व्यवस्था लोगों को देर रात तक बांधे रखती हैं। मेले में पहुंचे युवा वर्ग के साथ-साथ अन्य आयु वर्ग के लोग भी इन कार्यक्रमों का आनंद लेते देखे जा रहे हैं।

स्थानीय लोगों का कहना है कि थिएटरों में बढ़ती प्रतिस्पर्धा के कारण कलाकार और आयोजक लगातार नए प्रयोग कर रहे हैं, ताकि अधिक से अधिक दर्शकों को अपने कार्यक्रमों की ओर आकर्षित किया जा सके। यही कारण है कि हर थिएटर अपनी अलग पहचान बनाने और भीड़ जुटाने के लिए विशेष तैयारियां कर रहा है।

हालांकि, पुराने लोग राजगीर के थिएटरों के बदलते स्वरूप को लेकर मिश्रित प्रतिक्रिया भी समय था जब राजगीर के थिएटर सामाजिक और पारिवारिक वातावरण के लिए प्रसिद्ध थे। उस दौर में प्रतिदिन अलग-अलग सामाजिक, ऐतिहासिक और पारिवारिक नाटकों का मंचन किया जाता था, जिन्हें देखने के लिए परिवार के सभी सदस्य पहुंचते थे। नाटकों के माध्यम से समाज को संदेश देने और मनोरंजन का संतुलित प्रयास किया जाता था।

लेकिन समय के साथ थिएटरों का स्वरूप भी बदल गया है। आधुनिक व्यावसायिक प्रतिस्पर्धा और दर्शकों की बदलती पसंद के कारण अब अधिकांश कार्यक्रम नृत्य और संगीत आधारित हो गए हैं। पूरी रात चलने वाले इन कार्यक्रमों में मनोरंजन का रंग तो भरपूर देखने को मिलता है, लेकिन पारंपरिक नाट्य मंचन अब लगभग समाप्त होता नजर आ रहा है।

फिर भी मलमास मेले में थिएटरों की लोकप्रियता कम नहीं हुई है। धार्मिक आयोजनों के साथ-साथ मनोरंजन का यह संगम मेले की पहचान बना हुआ है। मेले के अंतिम दिनों में भीड़ और बढ़ने की संभावना जताई जा रही है, जिससे थिएटर संचालकों और स्थानीय व्यवसायियों में उत्साह का माहौल है। राजगीर का मलमास मेला एक बार फिर आस्था, संस्कृति और मनोरंजन के अद्भुत संगम का साक्षी बन रहा है।

घर में घुसकर मारपीट और फायरिंग का आरोप, प्राथमिकी दर्ज

सुधीर प्रसाद

बेन (अपना नालंदा)। थाना क्षेत्र के इनायतपुर गांव में घर में घुसकर मारपीट एवं फायरिंग करने का मामला सामने आया है। इस संबंध में इनायतपुर निवासी मिन्हाज आलम, पिता स्वर्गीय मोइनुद्दीन ने बेन थाना में लिखित आवेदन देकर प्राथमिकी दर्ज कराई है।

दिए गए आवेदन में मिन्हाज आलम ने आरोप लगाया है कि गांव के ही मोहम्मद जाहीद हुसैन, उनकी पत्नी, जकी इमाम समेत चार अज्ञात लोगों ने उनके घर के पीछे से जंगला तोड़कर प्रवेश किया और जान मारने की नीयत से रोड़े-पत्थरों से हमला कर दिया।घटना में उनकी वृद्ध मां नसीमा खातून, भाभी साजिया खातून, शमसीदा परवीन सहित अन्य लोगों को चोटें आई हैं। वहीं, आरोप है कि मोहम्मद साबिर, पिता स्वर्गीय मोइनुद्दीन को जान से मारने की नीयत से गोली भी चलाई गई, लेकिन वह बाल-बाल बच गए।

घटना के बाद पीड़ित द्वारा बेन थाना में आवेदन दिया गया, जिसके आधार पर पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। पुलिस का कहना है कि छानबीन के बाद आगे की विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी।

प्रखंड मुख्यालय में नहीं लगा जनता दरबार

हरिओम कुमार

हरनौत (अपना नालंदा)। स्थानीय प्रखंड सह अंचल कार्यालय परिसर में हर शनिवार को जनता दरबार का आयोजन किया जाता था। इसमें ग्रामीणों की समस्याओं से संबंधित विभिन्न मामलों की सुनवाई होती थी।मौके पर ही निष्पादन कर दिया जाता था।मगर शनिवार को नहीं लगा।

वहीं अंचलाधिकारी(सीओ) पुजा कुमारी ने कहा कि इसमें अधिक फरियादी शामिल होते थे।जनता दरबार में मामले आये मामले का निष्पादन कर दिया जाता था। जबकि शेष बचे को अगली तिथि को बुलाया जाता था। मगर राजगीर मलमास मेला में ड्यूटी लगने के कारण जानता दरबार का आयोजन नहीं किया जा सका।

जनता दरबार में पहुंची दो शिकायतें, एक का हुआ निष्पादन

सुधीर प्रसाद

बेन (अपना नालंदा)। बेन अंचल कार्यालय में शुक्रवार को अंचलाधिकारी सौरभ कुमार की अध्यक्षता में जनता दरबार का आयोजन किया गया। जनता दरबार में क्षेत्र के लोगों की समस्याएं सुनी गईं तथा उनके त्वरित समाधान की दिशा में कार्रवाई की गई।

अंचलाधिकारी सौरभ कुमार ने बताया कि जनता दरबार में कुल दो आवेदन प्राप्त हुए। इनमें से एक आवेदन का मौके पर ही निष्पादन कर दिया गया, जबकि दूसरे आवेदन पर जांच के उपरांत आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने कहा कि जनता दरबार का उद्देश्य आम लोगों की समस्याओं का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करना है, ताकि लोगों को अपनी शिकायतों के निवारण के लिए अनावश्यक रूप से कार्यालयों का चक्कर न लगाना पड़े।

विश्व पर्यावरण दिवस पर संतों ने दिया प्रकृति संरक्षण और वृक्षारोपण का संदेश

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पुरुषोत्तम मास मेला क्षेत्र स्थित गढ़ महादेव मंदिर परिसर के ज्ञान मंच पर पर्यावरण संरक्षण एवं प्रकृति संवर्धन को समर्पित एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में संत-महात्माओं, समाजसेवियों, पर्यावरण प्रेमियों तथा बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर प्रकृति संरक्षण का संकल्प लिया। इस दौरान सैकड़ों लोगों के बीच पौधों का वितरण किया गया और अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने का आह्वान किया गया।

कार्यक्रम के दौरान महर्षि चिदात्मन जी महाराज उर्फ फलाहारी बाबा ने वीरायतन की संस्थापिका पद्मश्री आचार्य चंदना जी को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उनका जीवन सेवा, करुणा और मानव कल्याण के लिए समर्पित रहा। उन्होंने कहा कि पर्यावरण केवल प्राकृतिक संसाधनों का समूह नहीं है, बल्कि मानव जीवन का मूल आधार है। वृक्ष, जल, वायु और भूमि के बिना जीवन की कल्पना भी संभव नहीं है। इसलिए प्रकृति की रक्षा करना प्रत्येक व्यक्ति का नैतिक, सामाजिक और आध्यात्मिक दायित्व है।

फलाहारी बाबा ने कहा कि वर्तमान समय में बढ़ते प्रदूषण, जल संकट और जलवायु परिवर्तन जैसी चुनौतियां मानव अस्तित्व के लिए गंभीर खतरा बनती जा रही हैं। यदि समय रहते पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रभावी कदम नहीं उठाए गए, तो आने वाली पीढ़ियों को गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने लोगों से अपने जीवन में अधिकाधिक पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने का संकल्प लेने की अपील की।वीरायतन की मुख्य संरक्षिका साध्वी डॉ. संप्रज्ञा जी महाराज ने कहा कि पर्यावरण जीवन की अनमोल धरोहर है। स्वच्छ वायु, निर्मल जल और हरित वातावरण मानव जीवन को स्वस्थ, सुखद और समृद्ध बनाते हैं। उन्होंने कहा कि प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता और संरक्षण की भावना विकसित करना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। पर्यावरण संरक्षण को केवल सरकारी अभियान न मानकर जनआंदोलन बनाना होगा।

कार्यक्रम के संयोजक एवं राजगीर विकास समिति के अध्यक्ष सुधीर कुमार उपाध्याय ने कहा कि पर्यावरण की सुरक्षा हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि "वृक्ष हैं तो जीवन है और जल है तो कल है।" जल-जीवन-हरियाली जैसे अभियानों को जन-जन तक पहुंचाकर ही पर्यावरण संरक्षण के लक्ष्य को सफल बनाया जा सकता है। उन्होंने लोगों से अपने दैनिक जीवन में पर्यावरण अनुकूल आदतों को अपनाने की अपील की।

इस अवसर पर सिमरिया धाम के रविंद्र ब्रह्मचारी, राजगीर विकास समिति के महासचिव उमराव प्रसाद निर्मल, डॉ. अमित कुमार पासवान, उपेंद्र कुमार विभूति, प्रतीक राज, प्रशांत कुमार बादल, सर्वमंगला योग विद्यापीठ के श्रीराम एवं श्रीलक्ष्मण, वन विभाग के रजनीकांत, शुभम कुमार, सुधीर मालाकार सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सभी ने पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण और वृक्षारोपण को जनआंदोलन बनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम ने प्रकृति के प्रति जागरूकता, सामाजिक सहभागिता और पर्यावरणीय जिम्मेदारी का प्रेरणादायी संदेश दिया।

मीना बाजार में अपराधियों का कहर, दो दिन में एक परिवार से लूट

मोहम्मद जियाउद्दीन

इस्लामपुर (अपना नालंदा)। इस्लामपुर थाना क्षेत्र के मीना बाजार में लगातार दो दिनों के भीतर हुई लूट की घटनाओं ने व्यापारियों और स्थानीय लोगों में दहशत का माहौल पैदा कर दिया है। हैरानी की बात यह है कि दोनों घटनाओं में एक ही परिवार को निशाना बनाया गया, जिससे अपराधियों के बढ़ते दुस्साहस और कानून-व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। दोनों घटनाओं में कुल 80 हजार रुपये की लूट होने की बात सामने आई है।

जानकारी के अनुसार शुक्रवार की शाम मीना बाजार स्थित जय मां लक्ष्मी इलेक्ट्रॉनिक एंड ऑनलाइन सेंटर में 10 से 12 की संख्या में पहुंचे हथियारबंद बदमाशों ने धावा बोल दिया। दुकान संचालक बंटी कुमार ने बताया कि अपराधियों ने दुकान में घुसते ही हथियार तान दिया और जान से मारने की धमकी देते हुए काउंटर में रखे करीब 40 हजार रुपये लूट लिए। पूरी घटना कुछ ही मिनटों में अंजाम देकर बदमाश मौके से फरार हो गए।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार अपराधी कई मोटरसाइकिलों पर सवार होकर आए थे और बेहद सुनियोजित तरीके से वारदात को अंजाम दिया। घटना के बाद आसपास के दुकानदारों और स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई तथा तत्काल पुलिस को सूचना दी गई।

मामले ने उस समय और गंभीर रूप ले लिया जब यह जानकारी सामने आई कि एक दिन पहले गुरुवार की रात भी बंटी कुमार के भाई आनंद राज से हथियारबंद अपराधियों ने करीब 40 हजार रुपये लूट लिए थे। लगातार दूसरे दिन एक ही परिवार को निशाना बनाए जाने से लोगों में भय और आक्रोश व्याप्त है।

घटना के बाद व्यापारियों ने बाजार क्षेत्र में नियमित पुलिस गश्ती बढ़ाने और अपराधियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है तथा दोनों घटनाओं के बीच संभावित संबंधों की भी जांच की जा रही है। पुलिस ने जल्द ही अपराधियों की पहचान कर गिरफ्तारी का भरोसा दिलाया है।

अंधना में आज से शुरू होगा दो दिवसीय उर्स मेला, तैयारियां पूरी

विजय प्रकाश उर्फ पिंटू

नूरसराय (अपना नालंदा)। नूरसराय प्रखंड के अंधना गांव में आयोजित होने वाले दो दिवसीय उर्स मेले का शुभारंभ रविवार से होगा। मेले को लेकर सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। आयोजन समिति के सदस्य व्यवस्था को अंतिम रूप देने में जुटे हुए हैं, जिससे श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो।

नौजवान अंधना एतेहादुल मुस्लिमीन कमिटी, अंधना के सचिव मो. मासूम रजा उर्फ गोल्डन ने बताया कि इस वर्ष उर्स का आयोजन दो दिनों तक किया जाएगा। उर्स के अवसर पर हजरत सैयद शाह सदउल्लाह शाहिद जागीर रहमतुल्लाह अलैह के मजार पर पारंपरिक तरीके से चादरपोशी की जाएगी। इसके अलावा क्षेत्र के चार अन्य मजारों पर भी अकीदतमंदों द्वारा चादरपोशी और फातिहा का कार्यक्रम आयोजित होगा।

उन्होंने बताया कि उर्स मेले में दूर-दराज के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में जायरीन और श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। स्थानीय लोगों की मान्यता है कि यहां सच्चे मन से मांगी गई दुआएं और मन्नतें पूरी होती हैं, जिसके कारण हर वर्ष बड़ी संख्या में लोग यहां पहुंचकर अपनी अकीदत पेश करते हैं।उर्स मेले को लेकर कमिटी के सदस्य मो. तरबेज, मो. महफूज, मो. इख्तार, मो. अरमान, मो. मशू, मो. लालबाबू, मो. कैसर सहित अन्य सदस्य विभिन्न जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हुए तैयारियों में जुटे हुए हैं। आयोजन समिति ने श्रद्धालुओं से शांति, सौहार्द और भाईचारे के साथ उर्स में शामिल होने की अपील की है।उर्स मेला क्षेत्र में धार्मिक एवं आध्यात्मिक माहौल बना हुआ है और श्रद्धालुओं में आयोजन को लेकर विशेष उत्साह देखा जा रहा है।

बिहार ग्रामीण बैंक शाखा चेरो में ऋण मुक्ति शिविर का आयोजन

हरिओम कुमार

हरनौत (अपना नालंदा)।स्थानीय प्रखंड के चेरो बाजार में स्थित बिहार ग्रामीण बैंक, शाखा द्वारा शाखा परिसर में आठ एवं नौ जून को दो दिवसीय ऋण मुक्ति शिविर का आयोजन किया जाएगा।शाखा प्रबंधक ने जानकारी देते हुए बताया कि ऐसे सभी ऋणधारक, जो किसी कारणवश अपने ऋण की किस्तों का समय पर भुगतान नहीं कर सके हैं तथा जिनका ऋण खाता एनपीए की श्रेणी में आ गया है, वे इस शिविर में भाग लेकर बैंक द्वारा निर्धारित समझौता योजना के अंतर्गत अपने ऋण खाते का निपटारा कर सकते हैं।उन्होंने बताया कि शिविर के दौरान पात्र ऋणधारकों को बैंक के नियमानुसार विशेष छूट एवं रियायतों का लाभ प्रदान किया जाएगा। साथ ही, ऋणधारक अपने बकाया ऋण का भुगतान कर खाते को नियमित अथवा बंद कर भविष्य में होने वाली कानूनी कार्रवाई से बच सकते हैं।

शाखा प्रबंधक ने सभी संबंधित ऋणधारकों से अपील की है कि वे आवश्यक दस्तावेजों के साथ निर्धारित तिथि को शाखा परिसर में उपस्थित होकर इस अवसर का अधिकतम लाभ उठाएं तथा अपने ऋण खाते का शीघ्र निपटारा करें।

सिंचाई और बाढ़ समस्या समाधान को लेकर किसान महासभा करेगी आंदोलन

हिलसा (अपना नालंदा)। अखिल भारतीय किसान महासभा नालंदा जिला परिषद की बैठक रविवार को काजी बाजार स्थित भाकपा माले के कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता किसान महासभा के जिला अध्यक्ष कामेश्वर प्रसाद ने की, जबकि संचालन जिला सचिव मुन्नी लाल यादव ने किया। बैठक में किसानों की सिंचाई, बाढ़ और कृषि संकट से जुड़ी समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई।बैठक को संबोधित करते हुए भाकपा माले के जिला सचिव श्रीनिवास शर्मा ने कहा कि जहानाबाद के उदेरा स्थान पर फल्गु नदी से मुहाने नदी का मुंह वर्षों से बंद पड़ा है। इसके कारण हिलसा अनुमंडल सहित नालंदा जिले के कई क्षेत्रों में सिंचाई व्यवस्था प्रभावित हो गई है और लाखों एकड़ कृषि भूमि पानी के अभाव में प्रभावित हो रही है। उन्होंने कहा कि मुहाने नदी में पानी नहीं पहुंचने से पूर्वी क्षेत्र में सुखाड़ की स्थिति बनी रहती है, जबकि दूसरी ओर एकंगरसराय और करायपरसुराय के पश्चिमी भाग में लोकाइन नदी के तटबंध टूटने से हर वर्ष बाढ़ आती है, जिससे किसानों की फसल और संपत्ति को भारी नुकसान होता है। और कृषि लागत पर भी चिंता व्यक्त की गई।

बैठक में कामेश्वर प्रसाद, बखोरी प्रसाद, दिनेश प्रसाद यादव, अरुण कुमार यादव, विजय प्रसाद यादव, साधु शरण बिंद, अखिलेश प्रसाद, अरविंद कुमार एवं द्वारिका यादव सहित कई किसान नेता उपस्थित थे। सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि मांगों के समर्थन में 15 जून को जिलाधिकारी कार्यालय के समक्ष धरना-प्रदर्शन किया जाएगा।

Kalope HOMES
Now in
BIHAR SHARIF
PREMIUM MODULAR KITCHEN
@ ₹99,999 में.
Upgrade Your Home with Luxurious uPVC Kitchen
ZERO WOOD TECHNOLOGY
No Wood
100% Waterproof uPVC
Termite Proof
Low Maintenance
10 YEAR WARRANTY
LIMITED OFFER FOR FIRST 20 CUSTOMERS ONLY
BOOK FREE SITE VISIT »
+91 74887 06578
*T&C Apply | Limited Offer